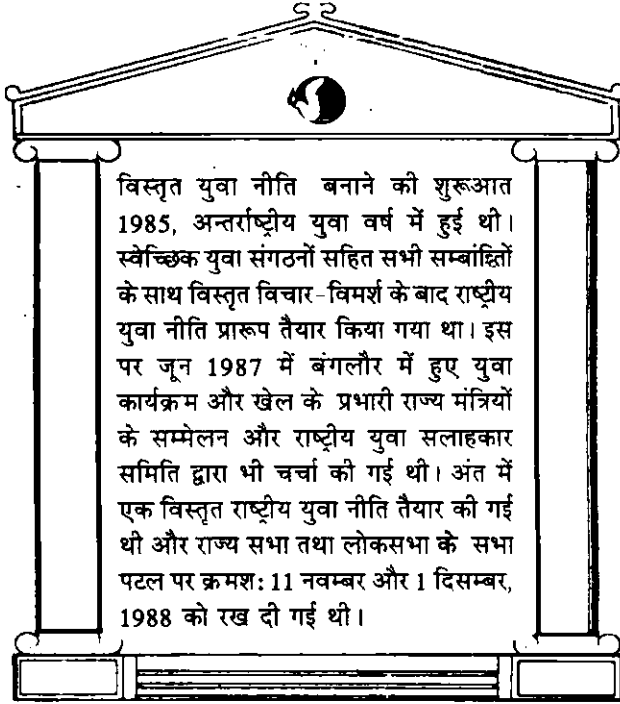


# राष्ट्रीय युवा नीति

## NATIONAL YOUTH POLICY



युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग,  
DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS,  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,  
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT,  
भारत सरकार  
GOVERNMENT OF INDIA



विस्तृत युवा नीति बनाने की शुरूआत 1985, अन्तर्राष्ट्रीय युवा वर्ष में हुई थी। स्वैच्छिक युवा संगठनों सहित सभी सम्बांधितों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद राष्ट्रीय युवा नीति प्रारूप तैयार किया गया था। इस पर जून 1987 में बंगलौर में हुए युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी राज्य मंत्रियों के सम्मेलन और राष्ट्रीय युवा सलाहकार समिति द्वारा भी चर्चा की गई थी। अंत में एक विस्तृत राष्ट्रीय युवा नीति तैयार की गई थी और राज्य सभा तथा लोकसभा के सभा पटल पर क्रमशः 11 नवम्बर और 1 दिसम्बर, 1988 को रख दी गई थी।

### विभाग की अन्य युवा योजनाएँ युवा कार्यक्रम

1. साहसिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहन
2. युवाओं के लिए प्रदर्शनियों की योजना
3. राष्ट्रीय एकीकरण का विकास
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक योजना
6. युवाओं को प्रशिक्षण
7. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार
8. युवा क्लबों को सहायता
9. युवा छात्रावास
10. युवा क्षेत्र की स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता
11. पिछड़ी जनजातियों के युवाओं के लिए विशेष योजना
12. युवा क्लबों को उत्कृष्टता पुरस्कार
13. नेहरू युवा केन्द्र
14. इन्दिरा गांधी एन०एस०एस० पुरस्कार
15. युवा विकास संबंधी अध्ययन, मूल्यांकन और प्रकाशन हेतु सहायता

Ministry of Education  
National Institute of Educational  
Technology  
New Delhi  
D-10685  
08-06-2000

# राष्ट्रीय युवा नीति

## भूमिका

सभी युगों में युवा प्रगति और सामाजिक परिवर्तन में अग्रणी रह्य है। आजादी के लिए लालायित, तीव्रता से प्रगति के लिए उत्सुक और नवीकरण के लिए उमंग तथा युवा आदर्शवाद और सृजनात्मक जोश में हमारी मातृभूमि की आजादी के संग्राम में आगे था। यदि इस शताब्दी के पूर्वार्ध में हजारों युवा राष्ट्रपिता के आवाहन से प्रेरित था तो आज का युवा आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय सहित प्रौद्योगिकीय प्रगति की चुनौती का सामना कर रहा है।

2. भारत का युवा जो हमारी जनसंख्या का एक तिहाई है, एक विशाल और महत्वपूर्ण मानव संसाधन है। उनका, राष्ट्रीय विकास और राष्ट्र के भाग्य को बदलने में, जो वास्तव में उनका अपना भाग्य है, सक्रिय रूप से भाग लेने में अधिकार और दायित्व है। ऐसे देश में उनकी समस्या कई हैं, विभिन्न प्रकार की है। और उनकी आकांक्षाएं ऊंची हैं जिसका भूतकाल महान था और भविष्य के लिए वचनबद्धता है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि उनके लिए उनके व्यक्तित्व का विकास करने और उनकी कार्यात्मक क्षमता बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक अवसर पैदा किए जाएं ताकि उन्हें आर्थिक तौर पर उत्पादी तथा सामाजिक तौर पर लाभप्रद बनाया जा सके।

3. ऐसे सुअवसर बड़े स्तर पर पैदा करने पड़ेंगे ताकि मानव प्रयत्न के बड़े क्षेत्र को शामिल किया जा सके और समाज के सभी युवाओं को और विशेषकर लाभ वंचित युवाओं को उपलब्ध कराने पड़ेंगे। सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम इस प्रकार के होने चाहिए, ताकि युवा उत्पादक, आत्मविश्वासी और राष्ट्रीय विकास के लिए वचनबद्ध शक्ति बन सके। इन कार्यक्रमों के युवाओं के चहुँमुखी विकास के लिए पर्याप्त सुविधाएं उत्पन्न करनी चाहिए और सभी क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्टता के लिए उनके प्रयासों में सहायता मिलनी चाहिए।

4. इसमें एकीकरण और अंतर अनुशासन की आवश्यकता है और इस कार्य में दोनों सरकारी विभागों और संगठनों और सरकार से बाहर के क्षेत्रों जैसे परिवार, शिक्षक, नेता, स्वैच्छिक

NIEPA DC



D10685

एजेंसियों और युवा संगठनों की शामिल करना है। केन्द्रीय और राज्य सरकारों द्वारा इस प्रक्रिया के लिए पर्याप्त सहायक मैकेनिज्म प्रदान करना है।

5. अतः युवाओं को पर्याप्त रूप में अपना दायित्व निभाने के लिए उन्हें सुसज्जित करते हुए राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि देश के जीवन और प्रगति में से युवाओं को अपना हिस्सा मिलने में सहायता की जाए। यह आसान कार्य नहीं है, परन्तु यह आवश्यक कार्य है, जिसमें न केवल सरकार बल्कि व्यक्तियों, संस्थाओं और संगठनों सहित सम्पूर्ण राष्ट्र को सृजनात्मक उद्यम की भावना में एक साथ लाना है, जैसा कि राष्ट्रीय युवा नीति में परिकल्पित है।

## लक्ष्य

6. नीति निम्नलिखित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए होगी :

6.1 युवाओं में हमारे संविधान में निहित सिद्धांतों और मूल्यों के लिए जागरूकता और सम्मान पैदा करना है तथा उनमें राष्ट्रीय एकीकरण, अहिंसा, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के प्रति ध्वनबद्धता से विधि नियमों के प्रति अधिक इच्छा पैदा करनी है।

6.2 युवाओं में हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूकता पैदा करनी है और उनमें पर्यावरण और परिस्थिति विज्ञान की समृद्धि सहित उनके संरक्षण के लिए ध्वनबद्धता के साथ स्वाभिमान तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पैदा करनी है।

6.3 युवाओं में अनुशासन, आत्म- सम्मान, न्याय और ईमानदारी, सार्वजनिक हित के लिए चिन्ता, खेल भावना और उसके अलावा उनमें विचारधारा और कार्य में वैज्ञानिक प्रवृत्ति विकसित करने में सहायता की जाए ताकि वे अन्य बातों के साथ- साथ खड़िवाद, अन्धविश्वास तथा अनेक सामाजिक कुरीतियों जिन्होंने राष्ट्र को घेर रखा है, को मिटा सके।

6.4 युवाओं को ऐसी अधिक से अधिक शिक्षा मुलभ करानी चाहिए जिससे वे अपने सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित कर सकें, उपयुक्त व्यावसायिक प्रशिक्षण दे सकें और बेकारी हटाओ के लक्ष्य की ओर रोजगार और स्व- रोजगार के अवसर ले सकें।

6.5 अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति युवाओं जागरूक करने तथा उन्हें विश्व शान्ति, सूझबूझ बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में शामिल करना।

## कार्य योजना

7. राष्ट्रीय युवा नीति के कार्यन्वयन के लिए निम्नलिखित कार्य योजना होगी :

7.1 राष्ट्रीय एकीकरण की भावना, सांस्कृतिक एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और समाजवाद तथा बर्मानिरपेक्षता में विश्वास के साथ भारतीय संविधान के प्रति ज्ञान और आदर बढ़ाने पर लक्षित कार्यक्रम सभी युवा कार्यक्रमों का मुख्य भाग बनेंगे।

7.2 हमारे इतिहास, स्वतंत्रता आन्दोलन, राष्ट्रीय विकास, आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उपलब्धियाँ तथा सामाजिक- आर्थिक बाधाओं पर नियंत्रण करने और शीघ्र प्रगति के बारे में पूरी जानकारी उत्पन्न करने के लिए कार्यक्रम, हमारी सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक शक्ति के महत्व को कम किए बिना कार्यान्वित किए जाएंगे।

7.3 अन्तर-राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेने के जरिए क्षेत्रीयवाद, साम्प्रदायिकता, भाषायी अन्व- विश्वास और अन्य विभाजक तथा विखंडनीय मान्यताओं को समाप्त करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने हेतु देश के विभिन्न भागों के युवाओं के बीच सम्बन्धों को बढ़ाने, गतिशीलता देने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

7.4 बड़े पैमाने पर औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के सार्विक कार्यक्रम शुरु किए जायें ताकि हमारे समाज के लाभवंचित वर्गों पर विशेष बल देने हुए शिक्षा के लाभ सभी युवा पुरुषों और महिलाओं और गैर- छात्र ग्रामीण युवाओं तक पहुंच सकें।

7.5 स्व- रोजगार के लिए युवाओं को अपेक्षित दूनर देने, उनके व्यावसायिक सुधार और उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें श्रम की गरिमा से अवगत कराने पर लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

7.6 व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण के जरिए नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए युवाओं की अवसर प्रदान करने तथा स्वैच्छिक, सामाजिक और सामुदायिक सेवा के लिए उन्हें प्रेरित करने के लिए कार्यक्रम शुरु किए जाएंगे।

7.7 योग, देशी खेल और आधुनिक खेलों में बड़े पैमाने पर भाग लेने के जरिए शारीरिक उपयुक्तता को बढ़ाने के साथ-साथ खतरा लेने की भावना, मिलजुल कर कार्य करना तथा

सह-शीलता की भावना को बढ़ाने के साहसिक कार्यक्रमों को सभी युवा कार्यक्रमों का एक अभिन्न अंग बनाया जाएगा।

7.8 युवा माता-पिता, विशेषकर, विभिन्न सामाजिक बुराइयों, हानिप्रद आदतों तथा अंधविश्वास के खिलाफ आन्दोलन में सम्मिलित होकर और लघु परिवार तथा उपयुक्त परिवार कल्याण उपायों को अपनाकर सामाजिक परिवर्तन में उत्प्रेरक के रूप में अपनी श्रमिक अदा करके अपनी जिम्मेदारी महसूस करेंगे।

7.9 अंतर्राष्ट्रीय भूझबूझ बढ़ाने और विश्वशान्ति को सुदृढ़ करने के लिए विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की हमारी महान परम्परा के प्रति ईमानदार होना, भारतीय युवा और विश्व भर के उनके साथियों के साथ निकट सम्पर्क बढ़ाने के लिए कार्यक्रम का विस्तार किया जाएगा।

7.10 युवा व्यक्तियों और स्वेच्छक, एजेंसियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्य को पुरस्कार, छात्रवृत्ति तथा उसी प्रकार की पद्धति के जरिए पुरस्कृत किया जाएगा और उन्हें मान्यता दी जाएगी।

### कार्यान्वयन

8. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल विभाग, राष्ट्रीय युवा नीति के कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार में एक मुख्य एजेंसी होगी और उसके जरिए अपेक्षित मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जाएगी।

9. विभिन्न स्तरों पर युवाओं की आकांक्षाओं और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उल्लिखित लक्ष्यों के सम्बन्ध में खर्चों तथा कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए नीति के कार्यान्वयन का सुव्यवस्थित तथा वैज्ञानिक तौर पर देखरेख और मूल्यांकन किया जाएगा। चल रही पद्धति के आधार पर और बीच-बीच में अपेक्षित सुधार को ध्यान में रखकर देख रेख और मूल्यांकन किया जाएगा।

10. गैर सरकारी, सार्वजनिक और निजी संस्थाओं द्वारा अधिक से अधिक भाग लेने को प्रोत्साहित किया जाएगा, और वस्तुतः राष्ट्रीय विकास के विशेष क्षेत्रों में युवाओं की प्रेरित

किया जाएगा। वित्तीय तथा संगठनात्मक सहायता के जरिए युवा संगठनों के कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

## समन्वय

11. युवा कार्यक्रम का अत्यन्त महत्वपूर्ण भाग यह है कि ग्रामीण और शहरी, शिक्षित और अशिक्षित बेरोजगारी को समाप्त किया जाए। यह केन्द्रीय और राज्य के सभी सरकारी विभाग तथा गैर- सरकारी एजेंसियों द्वारा युवाओं के लिए किए गए सभी कार्यक्रमों को दर्शाएगा। यह परस्पर परामर्श और समन्वय तथा मित्रता से कार्य कर रही सभी इन एजेंसियों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार में युवा कार्यक्रम और खेल विभाग प्रत्येक एजेंसी की स्वतंत्र संचालन पहलुओं को व्यवस्थित रखते हुए समन्वय की प्रक्रिया के लिए आंकड़े, सूचना और विचारों के आदान-प्रदान के लिए केन्द्र बिन्दु के रूप में कार्य करने के लिए सभी प्रयास करेगा।

12. केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारें और स्वैच्छिक एजेंसियाँ, राष्ट्रीय युवा नीति के कार्यान्वयन में निकट समन्वय के रूप में कार्य करेगी। राज्य और केन्द्रीय सुविधाओं के अधिकतम प्रयोग के लिए और नीति में परिकल्पित कार्यक्रमों के सभी पहलुओं में पुनरावृत्ति की रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर विस्तृत अभियान शुरू करने और इन उद्देश्यों के लिए प्रभावी, अनुकूल और उत्तरदायी मशीनरी तैयार करेंगे।

13. युवा कार्यक्रम और खेल विभाग को राष्ट्रीय युवा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन में अपने कर्तव्य निभाने में सलाह देने के लिए सम्बन्धित मंत्रालयों/विभागों और राष्ट्रीय युवा संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ राष्ट्रीय युवा कार्यक्रम समिति (सी.ओ.एन.वाई.पी.) स्थापित की जायेगी।

## निष्कर्ष

14. यह एक महत्वपूर्ण बात है कि राष्ट्रीय युवा नीति पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म शती के वर्ष में शुरू की जा रही है। नीति के कार्यान्वयन में राष्ट्र और सरकार, पंडित नेहरू, जिन्होंने न केवल स्वतंत्रता संग्राम के दौरान युवाओं को इकट्ठा किया था, अपितु आप ऐसे व्यक्ति थे जो स्वतंत्र भारत में युवाओं के उत्थान के प्रतीक बने थे, के दर्शन और विचारों द्वारा

प्रेरित और मार्गदर्शित होंगे। उनकी विश्व इतिहास और उनकी आधुनिक, इस महान देश की परम्पराओं और पैतृक सम्पत्ति की परिस्थिति में कार्य कर रहे वैज्ञानिक प्रवृत्ति के लिए पंडित नेहरू बड़े मानववादी थे, जिन्होंने समाजवाद, धर्मनिरपेक्ष और प्रजातंत्र की विचारधाराओं के लिए प्रयास किया। भारत के संविधान में निहित में मूलभूत सिद्धान्त और आदर्श इस नीति के कार्यान्वयन के लिए कार्यवाही के सभी कार्यक्रमों को अवगत करेंगे ताकि भारत के युवा नए और गतिशील भारत के निर्माण में अपने कौशल, ज्ञान, शक्ति, उपयुक्त तकनीकी और विज्ञान के परिणामों को काम में लाने के आदर्शवाद, हमारी प्राचीन परम्पराओं पर दृढ़ विश्वास के आधार पर अपने विश्वास और भविष्य में विश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

अपने देश के लिए,

यदि आप वर्ष के लिए योजना बनाते हैं - धान बोइये

यदि दशक के लिए योजना बनाते हैं - वृक्ष लगाइये

यदि भविष्य के लिए योजना बनाते हैं - युवाओं का विकास कीजिए

(एक कहावत)



# NATIONAL YOUTH POLICY

## Introduction

Youth, in all ages, has been in the vanguard of progress and social change. Thirst for freedom, impatience for quicker pace of progress and a passion for innovation, coupled with idealism and creative fervour, saw the youth in the forefront of the freedom struggle in our own land. If our youth was inspired by the call of the Father of the Nation in the first half of this century, the youth of today face the challenge of economic development and technological progress with social justice.

2. The youth of India, representing a third of our population, **constitute a vital and vibrant human resource**. They have a right, as well as an obligation, to participate actively in national development and in shaping the Destiny of the nation which is, in point of fact, their own destiny. Their problems are many and varied and their aspirations naturally high, in a country with a great past and greater promise for the future. The need, therefore, is to create increasing opportunities for them to develop their personality and their functional capability and thus make them economically productive and socially useful.

3. Such opportunities have to be created on a large scale, to cover a wide spectrum of areas of human endeavour; and they have to be made available to youth of all strata of society, particularly the disadvantaged. All national programmes should be directed to enable the youth to become a productive, self-confident and committed force for national development. These programmes must create adequate facilities for the all round development of youth and assist in their striving for excellence in all fields.

4. This calls for an integral and inter-disciplinary approach, involving both government departments and organisations and sectors outside the Government such as the family, educators, leaders, voluntary agencies and youth organisations. The Central and State Governments have to provide adequate mechanisms supportive of this process.

5. It behoves the Nation, therefore, to **assist youth in getting their due share** in the country's life and progress, while equipping them to meet their obligations adequately. It is not an easy task, but it is a necessary task, in which not only the Government but the whole nation, including individuals, institutions and organisations, have to be brought together in a spirit of creative enterprise, as envisaged in this National Youth Policy.

## Objectives

6. The policy shall be directed towards the achievement of the following objectives:-

6.1 To instil in the youth a deep awareness of and **respect for the principles and values enshrined in our Constitution** and a willingness to further the rule of law, with an abiding commitment to national integration, non-violence, secularism and socialism;

6.2 To promote among the youth the **awareness of our historical and cultural heritage** and imbue them with a sense of pride and national identity, together with a deep commitment towards their preservation, as well as the enrichment of the environment and ecology;

6.3 To help develop in the youth **qualities of discipline, self-reliance, justice and fair-play**, a burning concern for public weal, sporting spirit and above all, a **scientific temper** in their modes of thinking and action which, inter alia, will enable them to combat superstition, obscurantism and the numerous social ills that beset the Nation;

6.4 To provide the youth with maximum access to education which, in addition to developing their around personality

imparts appropriate professional and vocational training with a view to enabling them to avail of employment and self-employment opportunities towards the aim of *Bekari Hatao*; and

- 6.5 To make the youth aware of international issues and involve them in promoting world peace, understanding and a just international economic order.

## Plan of Action

7. The following shall represent the plan of action for the implementation of the National Youth Policy.
  - 7.1 Programmes aimed at inculcating knowledge of and respect for the Constitution of India, together with a sense of national integrity, cultural unity, democratic values and faith in socialism and secularism will form the core of all youth activities.
  - 7.2 Programmes seeking to create a thorough awareness of our history, freedom struggle, national development, achievements of modern science and technology and their applicability in overcoming socio-economic constraints and achieving faster progress, without losing our cultural identity and spiritual strength, will be implemented.
  - 7.3 Special efforts will be made to foster and develop contacts between youth from different parts of the country, with a view to inspire them to combat regionalism, communalism, linguistic chauvinism and other divisive and dissipated tendencies, through participation in the programme of Antar Bharti.
  - 7.4 Meaningful programmes of mass education, formal and non-formal, will be undertaken, so that the benefits of education reach all young men and women, including non-student rural youth, with particular emphasis on the dis-advantaged sections of our society.
  - 7.5 Training programmes will be organised, aimed at imparting requisite skills to youth for self-employment, improving their em-

ployability and enhancing their productivity, while making them appreciate the dignity of labour.

- 7.6 Programmes will be undertaken to offer opportunities to the youth for leadership training through **personality development and character building**, and for motivating them to voluntary social and community service.
- 7.7 **Promotion of physical fitness** through mass participation in yoga, indigenous games and modern sports will be made an integral part of all youth programmes, together with adventure activities calculated to develop the spirit of risk taking, team work and endurance.
- 7.8 **Young parents** will be particularly sensitized to their responsibilities and their own role as **catalysts of social change**, by being involved in movements against various social ills, harmful practices and superstitions, and by adopting the small family norm and appropriate family welfare measures.
- 7.9 True to our great tradition of viewing the world as one family, programmes, enabling **contacts and close links between the youth of India and their counterparts all over the world**, will be expanded, to promote international understanding and strengthen world peace.
- 7.10 **Outstanding work** done by young persons and voluntary agencies in various fields **will be recognised and rewarded** through a system of awards, scholarships and the like.

## **Implementation**

8. The Ministry of Human Resource Development, Government of India, through the Department of Youth Affairs & Sports, will be the Nodal Agency in the Government of India for the implementation of the National Youth Policy and providing such guidance and assistance as may be required.

9. **Systematic and scientific monitoring and evaluation** of the implementation of the Policy will be done, to provide insights into the needs, and aspirations of the youth at different levels and to

assess the impact of the programmes and the expenditure thereon in relation to stated objectives. Monitoring and evaluation would be built into the system on an on-going basis and necessary mid-term corrections applied.

10. **Maximum participation by non-governmental institutions**, public and private, will be encouraged, and in fact sought, in the mobilisation of youth in specific areas of national development. Programmes of youth organisations will be encouraged through financial and organisational support.

## **Coordination**

11. The most important component of the youth programme will be the **removal of the unemployment**, both rural and urban, educated and non-educated. This shall inform all programmes for youth undertaken by all departments of Government, Central and State, as well as non-Governmental Agencies. This will be ensured by all these Agencies, working in unison and in mutual consultation and coordination. The Department of Youth Affairs in the Ministry of Human Resource Development, Government of India, will make all efforts to serve as a **clearing house of data, information and ideas** germane to process of coordination, while keeping intact the independent operational aspects of each of the Agencies.

12. The Central Government, State Governments and Voluntary Agencies will work in close coordination in the implementation of the National Youth Policy. Detailed exercises at the local level will be initiated in order to bring about **maximum utilisation of the State and Central facilities and to avoid duplication** in all the spheres of activity that the Policy contemplates, and to evolve effective, responsive and responsible mechanisms for these purposes.

13. A **Committee For National Youth Programmes (CONYP)** will be set up, bringing together representatives of the concerned Ministries, Departments and National Youth Organisations, to advise the Department of Youth Affairs and Sports in discharging its duties in the effective implementation of the National Youth Policy.

## Conclusion

14. It is significant that the National Youth Policy is being launched in the year of the birth centenary of Pt. Jawaharlal Nehru. In the implementation of the policy, the nation and the Government will be guided and inspired by the philosophy and vision of Pt. Nehru, who was not only the rallying point of youth during the struggle for Independence but also the man who became a symbol of resurgent youth in independent India. With his world view of history and his modern, scientific temper working in unison with the traditions and heritage of this great country, Pt. Nehru was a great humanist who strove for the ideas of socialism, secularism and democracy. These cardinal principles and ideas enshrined in the Constitution for India will inform all programmes of action for implementation of this Policy, enabling the youth of India to march forward, with confidence in themselves and faith in the future, basing their convictions on our ancient heritage but utilising their skills, knowledge, energies and idealism to harness the fruits of science and appropriate technology in building a new and vibrant India.

LIBRARY & DOCUMENTATION UNIT  
National Institute of Educational  
Planning and Administration,  
1, Feroz Road, Condo Marg.

NIEPA DC

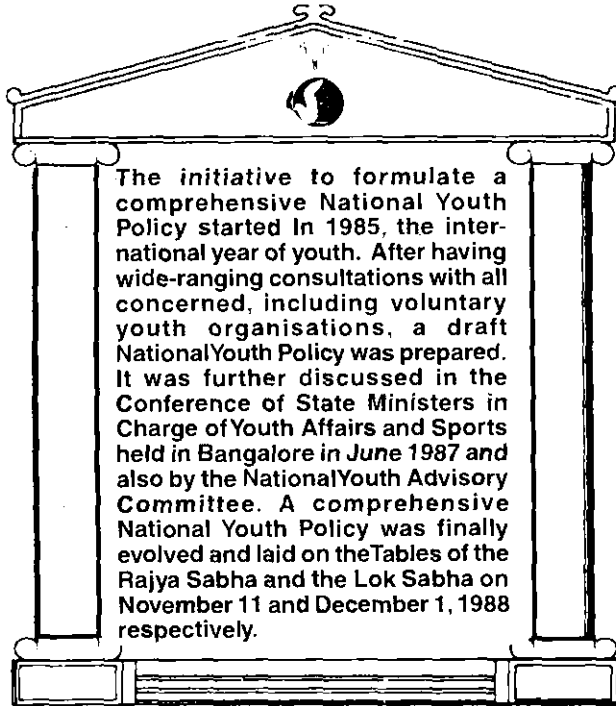


D10685

110626 D-10685  
Date 08-06-2000

"For your country,  
If you plan for a year—sow paddy  
If you plan for a decade—plant trees  
If you plan for a future—nurture youth"

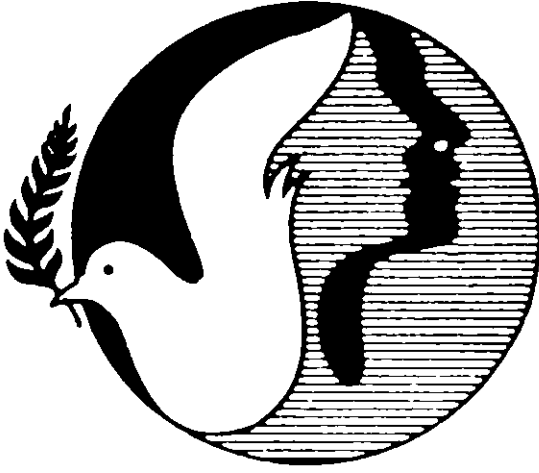
(A Proverb)



## YOUTH SCHEMES OF THE DEPARTMENT

### Youth Programmes

1. Promotion of Adventure
2. Exhibitions for Youth
3. Promotion of National Integration
4. National Service Scheme
5. National Service Volunteer Scheme
6. Training of Youth
7. National Youth Awards
8. Assistance to Youth Clubs
9. Youth Hostels
10. Assistance to Voluntary Youth Organisations
11. Special Scheme for Youth for Backward Tribes
12. Awards to Youth Clubs for Outstanding Performance
13. Nehru Yuva Kendra
14. Indira Gandhi NSS Awards
15. Assistance for Youth Development Studies, Evaluation and Publications.



प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय (फोटो लिथो एकक), मिनट्टे रोड, नई दिल्ली-११०००२ द्वारा मुद्रित  
PRINTED BY MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS (PLU), MINTO ROAD, NEW DELHI-110 002.